परमेश्वर का नाम क्या है? - २

यहोवा बनाम मैं हूँ

३री व २ री सदी ई.पू. में पुराने-नियम का यूनानी में अनुवाद किया गया, तब अनुवादकों ने इस पवित्र नाम का अनुवाद नहीं किया था। इसके बदले उन्होंने अदोनाय के लिये प्रयुक्त यूनानी शब्द का उपयोग किया, जो किरियोस है, जिसका अर्थ है "प्रभु या स्वामी"। बाइबल के आधुनिक अनुवादों में, इब्रानी शब्द यहवह (याहवेह) के लिये प्रभु (LORD) शब्द का प्रयोग किया गया है।

मैं हूँ

जब परमेश्वर ने इस्त्राएलियों को मिस्र की दासता से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश (कनान) में ले जाने की मूसा को आज्ञा दी, तब निर्गमन ३:१-६ में परमेश्वर ने घोषणा की थी, "मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ।" जब मूसा ने परमेश्वर का नाम पूछा तब निर्गमन ३:१४ में परमेश्वर ने उत्तर दिया कि इस्राएलियों से कहना कि जिसका नाम "मैं हूँ" है, उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" इस पवित्र नाम के सम्भावित अर्थ यह दिखाते हैं कि यहोवा जो परमेश्वर है, जो था, जो है और जो रहेगा वही परमेश्वर है। याहवेह परमेश्वर, की पुष्टि प्रकाशितवाक्य १:८ से भी होती है अर्थात "प्रभु परमेश्वर वह जो है, और जो था, और जो आने वाला है; जो सर्वशक्तिमान है : वह कहता है, कि मैं ही अल्फा और ओमिगा हूँ।"

नये नियम के उद्धरण

यूहन्ना रचित सुसमाचार में, यीशु "मैं हूँ" शब्दों का प्रयोग कर परमेश्वर से अपना सम्बन्ध दर्शाता है कि परमेश्वर ने उसे लोगों के लिये क्या करने को कहा है। यीशु अपनी पहचान सारी आवश्यक्ताओं को पूरा करने वाले के रूप में कराता है। यूहन्ना ६:३५ में यीशू ने कहा "जीवन की रोटी मैं हूँ" और यूहन्ना ८:१२ में वह कहता है, "जगत की ज्योति मैं हूँ।" प्रभु यीशु मसीह "मैं हूँ" शब्दों के प्रयोग से अपनी पहचान इस प्रकार कराता है कि वह लोगों को परमेश्वर तक पहुँचाने के लिए मार्ग बनाने वाला है। यूहन्ना १०:७ में यीशू कहता है, "भेड़ों का द्वार मैं हूँ", और यूहन्ना १४:६ में वह कहता है, "मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ।" अन्त में "मैं हूँ" की पुष्टि इब्रानियों १३:८ से भी होती है अर्थात "यीशू मसीह कल और आज और युगानयुग एक सा है।"

यशायाह ५:१-७ की शब्दावली का प्रयोग करते हुए, यूहन्ना १५:१-५ में यीशु कहता है, "सच्ची दाखलता मैं हूँ।" तथा उसके लोग "डालियाँ" हैं। इन सब के साथ यूहन्ना ८:५८ में तो बहुत ही स्पष्ट लिखा है, "मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, कि पहले इससे कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, "मैं हूँ।" अतः निर्गमन ३:१४ और यूहन्ना ८:५८ में उलिलखित "मैं हूँ" एक-दूसरे को प्रमाणित करते हैं।